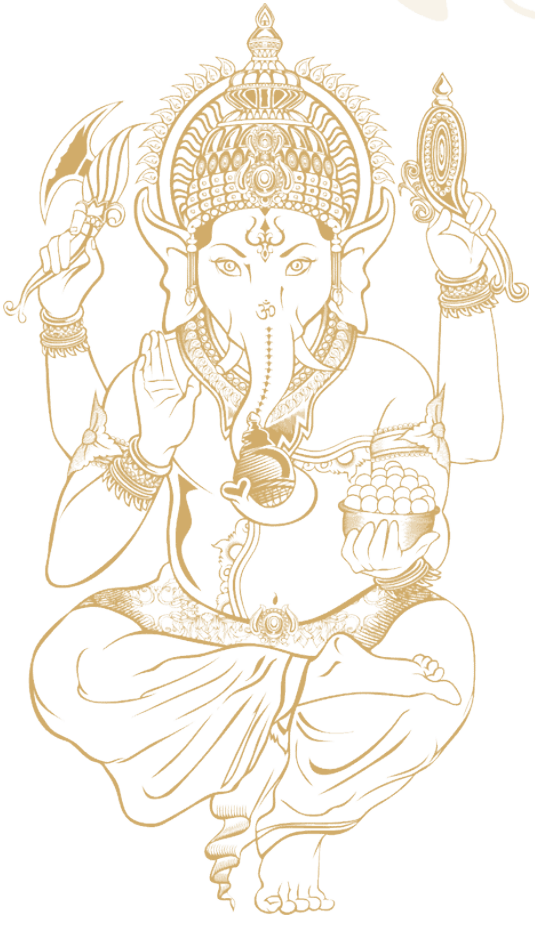

Guddu Kumar

15 Feb 1989

08:19 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121689403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/02/1989**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**08:19:00 घंटे**
इष्ट	04:46:07 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:29:00 घंटे
वेलान्तर	-00:14:12 घंटे
साम्पातिक काल	18:09:22 घंटे
सूर्योदय	06:24:33 घंटे
सूर्यास्त	17:44:02 घंटे
दिनमान	11:19:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	02:41:49 कुम्भ
लग्न के अंश	09:29:14 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	विष्कुम्भ
करण	गर
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	09:29:14	491:35:37	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	02:41:49	01:00:35	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	29:19:34	13:05:05	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			मेष	21:43:02	00:35:33	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	स्वराशि
बुध			मक	06:35:08	00:49:33	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु			वृष	03:29:50	00:05:03	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मक	20:33:26	01:15:02	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि			धनु	16:48:45	00:05:38	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	11:13:21	00:00:57	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	11:13:21	00:00:57	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	10:26:33	00:02:33	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
नेप			धनु	17:47:13	00:01:44	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
प्लूटो			तुला	21:28:53	00:00:03	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			धनु	08:26:37	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:27

लग्न-चलित

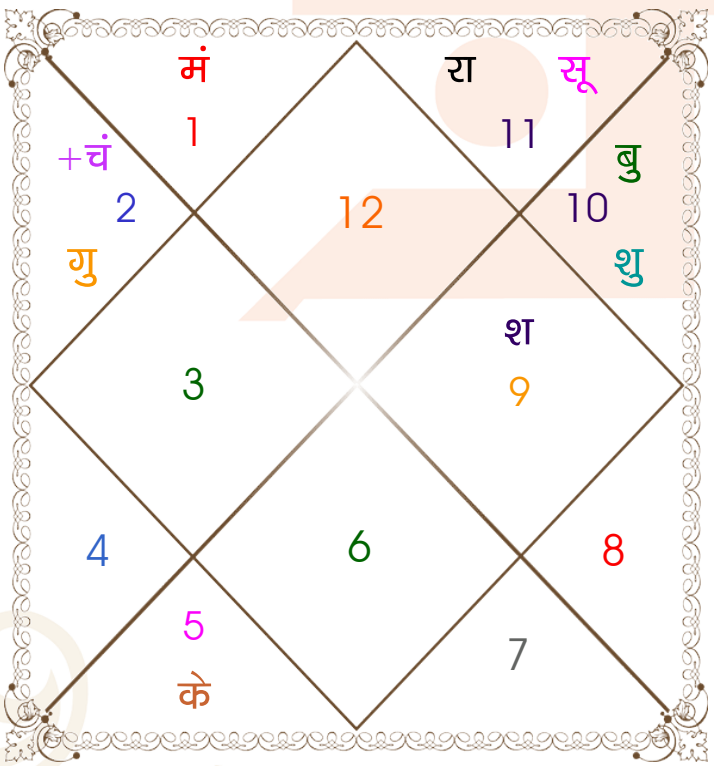

चन्द्र कुंडली

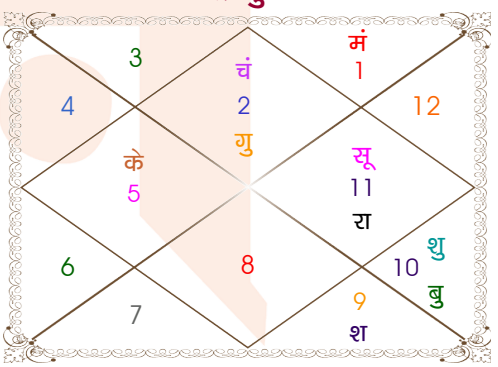

नवमांश कुंडली

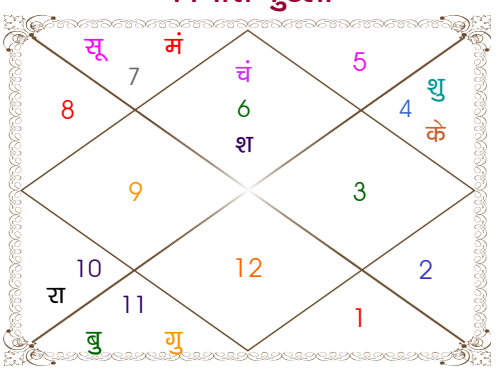

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 10 मास 7 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
15/02/1989		23/12/1992		24/12/2010		24/12/2026		24/12/2045	
23/12/1992		24/12/2010		24/12/2026		24/12/2045		24/12/2062	
	00/00/0000	राहु	06/09/1995	गुरु	10/02/2013	शनि	27/12/2029	बुध	21/05/2048
	00/00/0000	गुरु	29/01/1998	शनि	24/08/2015	बुध	05/09/2032	केतु	19/05/2049
	15/02/1989	शनि	05/12/2000	बुध	29/11/2017	केतु	15/10/2033	शुक्र	18/03/2052
शनि	24/06/1989	बुध	25/06/2003	केतु	05/11/2018	शुक्र	14/12/2036	सूर्य	23/01/2053
बुध	21/06/1990	केतु	12/07/2004	शुक्र	06/07/2021	सूर्य	26/11/2037	चंद्र	24/06/2054
केतु	17/11/1990	शुक्र	13/07/2007	सूर्य	24/04/2022	चंद्र	28/06/2039	मंगल	22/06/2055
शुक्र	18/01/1992	सूर्य	06/06/2008	चंद्र	24/08/2023	मंगल	05/08/2040	राहु	08/01/2058
सूर्य	24/05/1992	चंद्र	05/12/2009	मंगल	30/07/2024	राहु	12/06/2043	गुरु	15/04/2060
चंद्र	23/12/1992	मंगल	24/12/2010	राहु	24/12/2026	गुरु	24/12/2045	शनि	24/12/2062

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
24/12/2062		24/12/2069		24/12/2089		24/12/2095		25/12/2105	
24/12/2069		24/12/2089		24/12/2095		25/12/2105		00/00/0000	
केतु	22/05/2063	शुक्र	24/04/2073	सूर्य	12/04/2090	चंद्र	24/10/2096	मंगल	23/05/2106
शुक्र	21/07/2064	सूर्य	24/04/2074	चंद्र	12/10/2090	मंगल	25/05/2097	राहु	10/06/2107
सूर्य	26/11/2064	चंद्र	24/12/2075	मंगल	17/02/2091	राहु	24/11/2098	गुरु	16/05/2108
चंद्र	27/06/2065	मंगल	22/02/2077	राहु	11/01/2092	गुरु	26/03/2100	शनि	16/02/2109
मंगल	23/11/2065	राहु	23/02/2080	गुरु	30/10/2092	शनि	25/10/2101		00/00/0000
राहु	12/12/2066	गुरु	24/10/2082	शनि	12/10/2093	बुध	26/03/2103		00/00/0000
गुरु	18/11/2067	शनि	24/12/2085	बुध	18/08/2094	केतु	25/10/2103		00/00/0000
शनि	27/12/2068	बुध	24/10/2088	केतु	24/12/2094	शुक्र	25/06/2105		00/00/0000
बुध	24/12/2069	केतु	24/12/2089	शुक्र	24/12/2095	सूर्य	25/12/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 10 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर लिए तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगा। अर्थात् आपका विनाश कर देगा। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दिए तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगे। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगे। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगे जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन के स्वामी होंगे। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आप समाजिक क्लब के सदस्य होंगे। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगे। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करना पड़ेगा। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाले बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखते हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करते हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाते हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकते है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करते हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देते हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलते हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगे तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगे। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकते हैं। यदि आप चयन करेंगे तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।